विषय-सूची

प्रथम खण्ड

पृष्ठ-संख्या

१—गुप्त-इतिहास की सामग्री १–७

उत्कीर्ण लेख २, मुद्रा २–३, शिल्पशास्त्र ३, साहित्य ३–६, यात्रा-विवरण ६–७।

२–गुप्त-पूर्व-भारत ८–२४

भूमिका ८, शैशुनाग तथा मौर्य्यों का राज्य ८–९, शुङ्गों तथा कण्वों का शासन ९, आन्ध्रों का शासन १०, शक १०–११, पार्थियन ११, शक-क्षत्रप १२, कुषाण १२–१३।

नागवंश—१३–२०, इतिहास के साधन १३, नाग-भारशिव १३–१४, शासन-काल १४–१५, साम्राज्य-काल १५-१६, राज्य-विस्तार १६, नागों की शासन-प्रणाली १६–१७।

भारशिव राजाओं की महत्ता—१७–२०, परिचय १७, शिव-पूजा १७-१८, कुशानों का परिचय १८, कुशानों की शक्ति तथा भारशिवों की वीरता १८, भारशिवों की सादगी १८–१९, नागर-कला १९, वेसर-शैली १९, शिखर-शैली १९-२०।

वाकाटक वंश—२०–२२, उत्थान २०, वाकाटक नाम का रहस्य २०–२१, राज्य-काल २१–२२, वाकाटक राजाओं की महत्ता—२२–२४, परिचय २२–२३, महत्ता २३, ललितकला का पुनरुज्जीवन २४, उपसंहार २४।

३—गुप्तों का परिचय २५–३३

परिचय २५–२६, गुप्तों का वर्ण-निर्णय २६–२७, खण्डन २७–२८, क्षत्रिय होने के प्रमाण २८–३१; काल-विभाग ३१–३३।

४—आदि-काल ३७–४३

(१) गुप्त ३७–३९

नाम-निर्णय ३७–३८, चेलिकेता-श्रीगुप्त ३८–३९।

(२) घटोत्कच ३९–४०

परिचय ३९, महाराज घटोत्कच तथा घटोत्कच गुप्त दोनों की भिन्नता ३९–४०, घटोत्कच की मुद्रा ४०।

पृष्ठ-संख्या

(३) **चन्द्रगुप्त प्रथम** ४१–४३
लिच्छवियों से वैवाहिक सम्बन्ध ४१–४२, राज्य-विस्तार ४२, गुप्त-संवत् ४२–४३, चन्द्रगुप्त-चण्डसेन ४३।

५–उत्कर्ष-काल ४७-१२३

(१) **समुद्रगुप्त**— ४७–७६
उपक्रम ४७–४८, समुद्रगुप्त का चरित्र—४८–५४, विद्या प्रेम ४९–५०, शास्त्र-तत्त्व-भेदन ५०, संगीत-प्रेम ५०–५१, वीरता ५१-५२, दानशीलता तथा उदार चरित्र ५२–५३, समुद्रगुप्त का व्यक्तित्व ५३, नेपोलियन से तुलना ५३–५४, समुद्रगुप्त का दिग्विजय-काल-क्रम ५४–५५, आर्यावर्त की विजय ५५–५८, आटविक नरेश ५८, दक्षिण-भारत की विजय ५९–६३, समुद्रगुप्त का आक्रमण-मार्ग ६३–६४, सीमान्त राज्यों का विजय ६४–६५, गण-राज्य ६५–६८, विदेश में प्रभाव ६८–७०, राज्य-विस्तार ७०, अश्वमेध-यज्ञ ७०–७१, काल-निर्णय ७१–७२, नीति-निपुणता ७२–७४, पारिवारिक जीवन ७५–७६।

(२) **रामगुप्त**— ७६–८७
रामगुप्त की ऐतिहासिक वार्ता ७६, साहित्यिक-प्रमाण ७७–७८, ऐतिहासिक प्रमाण ७९–८०, प्रमाणों की प्रामाणिकता ८०–८१, शक कौन थे? ८१, युद्ध-स्थान ८१–८२, चन्द्रगुप्त-द्वितीय चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ८२–८३, चन्द्रगुप्त तथा ध्रुवदेवी का विवाह ८३–८४, नियोग-प्रथा ८४–८५, रामगुप्त की मुद्रा ८५-८६, राज्य-काल ८६, रामगुप्त का चरित्र ८६–८७।

(३) **चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य)**— ८७–१०३
भूमिका ८७, कौटुम्बिक वृत्त ८७–८८, उपलब्ध लेख ८८–८९, राज्यकाल ९०, दिग्विजय ९०, शक जाति का इतिहास ९०–९३, शक विजय के प्रमाण ९३–९४, शकों का पराजय-काल ९४, शक-राज्य की व्यवस्था ९४, 'विक्रमादित्य' विरुद की उत्पत्ति ९५, सम्राट् 'चन्द्र' की उत्तर की विजययात्रा ९५–९६, दक्षिण के राजाओं से संबंध ९६–९९, अश्वमेध यज्ञ ९९, धार्मिक-सहिष्णुता ९९–१००, वीरता १००–१०१, विद्या-प्रेम १०२–१०३, उप-संहार १०३।

(४) **कुमारगुप्त प्रथम**— १०३–१११
कौटुम्बिक वृत्त १०३, उपलब्ध लेख १०३–१०५, राज्यकाल १०६, पुष्यमित्रों का आक्रमण १०६–१०७, राज्य-विस्तार १०७, अश्व-मेध यज्ञ १०८, धर्मपरायणता तथा सहिष्णुता १०८–१०९,

पृष्ठ-संख्या

गुण-ग्राहकता १०९, वीरता १०९–११०, दान तथा सार्वजनिक कार्य ११०–१११, उपसंहार १११।

(५) **स्कन्दगुप्त**— १११–१२३

कौटुम्बिक वृत्त १११, उपलब्ध लेख १११–११२ राज्यकाल ११३, दायाधिकार के लिए युद्ध ११३–११५, हूण-विजय ११५, हूणों का पराजय-काल ११६, हूणों का अधिकार-विस्तार ११६-११७, राज्य-विस्तार और प्रतिनिधि ११७, वीरता तथा पराक्रम ११७–१२०, सुदर्शन कासार का जीर्णोद्धार १२०–१२१, धार्मिक-सहिष्णुता १२१–१२२, उपसंहार १२२-१२३।

६—अवनति-काल १२७–१४७

उपक्रम १२७–१२९, (१) **पुरगुप्त**— १२९–१३०, लेख तथा राज्य-काल १२९–१३०; (२) **नरसिंह गुप्त** १३०–१३१, 'बालादित्य' १३१–१३२, (३) **कुमारगुप्त द्वितीय** १३२–१३४, उपलब्ध लेख १३२-१३३, राज्य-काल १३३–१३४; (४) **बुधगुप्त** १३४–१३७, लेख १३४–१३५, राज्यकाल १३५–१३६, राज्य-विस्तार १३६, धर्म १३६–१३७; (५) **वैन्यगुप्त** १३७–१३८, लेख १३७, राज्य-काल १३७, चन्द्रगुप्त तृतीय ? १३७–१३८, वैन्यगुप्त के सिक्के १३८, धर्म १३८, परिचय १३८; (६) **भानुगुप्त (बालादित्य)** १३९-१४६, लेख १३९-१४०, राज्य-काल १४०, राज्य-विस्तार १४०, गुप्तों तथा हूणों में संघर्ष १४० १४१, 'बालादित्य' १४१, **यशोधर्मा** १४१–१४२, लेख १४२, यशोधर्मा का विजय १४२, मध्य-भारत के हूण शासक १४२–१४५, तोरमाण १४३, मिहिर कुल १४३, मिहिरकुल के सिक्के तथा लेख १४४, हूणों की शासन अवधि १४४, हूणों का भारत में अन्तिम पराजय १४४–१४५, भानुगुप्त की उदारता १४५, गुप्तों के सामन्त १४५–१४६; (७) **वज्र**—१४७।

७—गुप्त-साम्राज्य की अवनति का कारण १४८-१५२

अवनति के कारण १४८, बाह्य-आक्रमण १४८–१४९, आन्तरिक दौर्बल्य १४९–१५०, पर-राष्ट्रनीति का त्याग १५०–१५१, हिन्दू-संस्कृति का असंरक्षण १५१, सामन्त तथा प्रतिनिधियों की स्वतन्त्रता १५१–१५२।

८–गुप्त-साम्राज्य के पश्चात् उत्तरी-भारत की राजनैतिक अवस्था १५३-१६२

वलभी १५३–१५४, मालवा १५४–१५५, कन्नौज १५५–१५६, थानेश्वर १५७–१५८, गौड़ १५८–१५९, कामरूप १५९–१६०, मगध १६०–१६१, अन्य राजागण १६१–१६२।

पृष्ठ-संख्या

९—मागध-गुप्त-काल १६५–१८७

राजवंश १६५, कुछ विशिष्ट घटनाएँ १६६, शासन-काल १६६–१६७, स्थान १६७–१६९, राज्य-विस्तार १६९–१७०, समकालीन राजाओं से सम्बन्ध १७०, मौखरि १७०, वधन १७०–१७१, गौड़ १७१, विशेष-कार्य १७१–१७२; (१) **कृष्णगुप्त** १७२, (२) **हर्षगुप्त** १७२–१७३, (३) **जीवितगुप्त** १७३, (४) **कुमारगुप्त** १७३-१७४, मौखरियों से युद्ध १७३-१७४, राज्य-काल १७४, राज्य-विस्तार १७४, (५) **दामादरगुप्त** १७४–१७५, मौखरियों से युद्ध १७४–१७५, उदारता १७५, (६) **महासेनगुप्त** १७५–१७७, युद्ध तथा राज्य-विस्तार १७६, कामरूप पर आक्रमण १७६–१७७, वर्धनों से सम्बन्ध १७७, (७) **माधवगुप्त** १७७–१८०, देवगुप्त १७७–१७८, देवगुप्त का द्वेष-भाव १७८–१७९, माधव और हर्ष १७९, मागध का शासक १७९, माधव के गुण १७९, शासन-काल १८०, (८) **आदित्यसेन** १८०–१८४, लेख १८०–१८१, शासन-काल १८१, राज्य-विस्तार १८१–१८२, अश्वमेध यज्ञ १८२, सार्वजनिक कार्य १८२-८३, धर्म १८३, चरित्र १८३–१८४, (९) **देवगुप्त द्वितीय** १८४–१८५, चालुक्यों से युद्ध १८४, राज्यकाल १८४–१८५, (१०) **विष्णुगुप्त** १८५, विष्णुगुप्त के सिक्के १८५, उपाधि १८५, (११) **जीवितगुप्त द्वितीय** १८५–१८७, लेख १८५–१८६, चरित्र १८६, राज्य और शासन-काल १८६, मागध-गुप्तों का अन्त १८६, मध्य-प्रदेश तथा बम्बई प्रान्त के अन्य गुप्त-राजा १८७ ।

परिशिष्ट

परिशिष्ट—नं० १

गुप्त-संवत्—१९१—२०१

परिशिष्ट—नं० २

१—समुद्रगुप्त का प्रयाग स्तम्भ-लेख २०२—०६

२—चन्द्रगुप्त का मेहरौली का लौहस्तम्भ लेख २०७—२१०

३—चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य की राजकुमारी प्रभावती गुप्ता का दान-पत्र २१०—११

४—कुमारगुप्त द्वितीय का भितरी राजमुद्रा-लेख २११

५—स्कन्दगुप्त का भितरी का स्तम्भलेख २१२—१३

६—आदित्यसेन का अफसाद-शिलालेख २१३—१६
७—जीवितगुप्त द्वितीय का देववरनार्क-स्तम्भलेख—२१६

परिशिष्ट—नं० ३

१—गुप्त-वंश-वृक्ष—२१७।
२—मागध-गुप्त-वंश-वृक्ष—२१८।
३—उत्तरी भारत के राजाओं की समकालीनता २१९
४—गुप्त-युग का तिथि-क्रम २२०—२२
५—मागध-गुप्त-युग का तिथिक्रम—२२३